यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2024

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग -5

अंक 97+3-100

नाम.. पिता/पति का नाम..

शहर का नाम.............................. जन्मतिथि.................. मोबाइल.................... रोल नं ....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 15.09.2024)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉंलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. निम्न गाथा को पूर्ण करे- 10

1. जया लोगमलोगं ....
.... पडिवज्जई।

2. इच्चेयं छज्जीवणियं ....
.... विराहेज्जासि।

3. एमेए ....
.... रया।

4. खवेत्ता ....
.... परिनिव्वुड।

5. पक्खंदे ....
.... अगंघणे।

प्रश्न 2. गाथा का चरण व अध्ययन क्रमांक लिखे- **10**

उदाहरण- धम्मो मंगलमुक्कट्ठं चरण-1 अध्ययन-1

1. संकप्पस्स वसं गओ

....

2. तीसे सो वयणं सोच्चा

....

3. दंसणं चाभिगच्छई

....

4. साया उलगस्स निगाम साइस्स

....

5. पंचनिग्गहणा धीरा

....

6. न य पुप्फं किलामेई

....

7. अट्ठावए य नाली च

....

8. धम्मे संपडिवाइओ

....

9. महुकारसमा बुद्धा

....

10. सेलेसिं पडिवज्जई

....

प्रश्न 3. निम्न गाथाओं के अर्थ लिखिए- **10**

1. वयं च वित्ति लब्भामो, न य कोई उवहम्मई

अहागडेसु रीयंते, पुप्फेसु भमरा जहा।

....

....

2. कहं चरे ? कहं चिटठे? कहंमांसे ? कहं सुवे?

कहं भुंजंतो भासंवो, पावं कम्मं न बंधई।

....

....

3. गिहिणो वयोवडियं, जा य आजीववित्तिया
तत्तानित्वुडभोइत्तं आउरस्सरणाणि य।

....

....

4. तीसे सो वयणं सोच्चा, संजयाए सुभासियं।
अंकुसेण जहानागो, धम्मे संपडिवाइओ।

....

....

5. धम्मो मंगलमुक्कट्ठ अंहिसा संजमो तवो।
देवा विं तं नमसंति, जस्स धम्मे सया मणो।

....

....

प्रश्न 4. सही जोड़ी बनाइये- **5**

1. शय्यभवं	मधुकर वृत्ति
2. पढ़मं दुमपुप्फियडज्झयणं	तइयं खुड्डि
3. दशवैकालिक सूत्र-4	चतुर्थ पट्टधर
4. 52 अनाचारो	छज्जीवणिया
5. मनक	अल्पायु

प्रश्न 5. रिक्त स्थान भरो- (कोई-9) **9**

1. जिस अजीव पदार्थ में .... स्पर्श हो उसे रूपी अजीव कहते है।
2. पाँचों इन्द्रियों के .... को त्यागे तो ज्ञान बढ़े।
3. .... करे तो ज्ञान घटे।
4. श्रावक जी .... वाले होवें।
5. श्रावक जी के .... और .... क्रिया ।
6. उदार पुद्गलो से बने हुए शरीर को .... कहते है।
7. सकषायी जीवों के आत्मा के साथ कर्मों का बंध .... प्रकार से होता है।
8. जीव का लक्षण .... है।
9. स्वतंत्र परमाणु जब दुसरे परमाणु से जुड़ जाता है, उसे .... कहते है।
10. देवता अपनी आयु के .... शेष रहने पर परभव का आयुष्य बांधते है।

प्रश्न 6. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **10**

1. परमाणु और प्रदेश में अन्तर लिखो?

....

....

2. संसारी किसे कहते है?

....

....

3. शरीर कितने होते है नाम लिखो?

....

....

4. गोत्र, अन्राय, नाम, कर्म के दो-दो कारण लिखो?

....

....

5. मन वर्गणा किसे कहते ?

....

....

प्रश्न 7. सही जोड़ी बनाओ- **5**

1. मोहनीय कर्म	6 कारण
2. असाता वेदनीय	16 कारण
3. आयु कर्म	मदिरा
4. ज्ञानावरणीय कर्म	राजा के द्वारपाल
5. दर्शनावरणीय कर्म	12 कारण

प्रश्न 8. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये- **8**

1. किसने किससे कहाँ '' नाथ ऐसा मत कहिए। यह वो मेरे ही कर्मो का दोष है।

....

....

2. जैन धर्म का मूल सिद्धांत क्या है।

....

....

3. किसने किससे कहाँ– मै अनाथ हूँ मेरा रक्षक कोई नहीं है?

....

....

4. राजा श्रेणिक कौन से उद्यान में घूमने गये थे।

....

....

प्रश्न 9. निम्न गाथाओं को पूर्ण करो– **15**

1. कर्म न काया ....

.... महान।

2. प्रत्यक्ष सुखकार ....

.... थारी यही।

3. आपाद ....

.... जं द्या।

4. सोऽहं ....

.... प्रवृत।

5. तुभ्यं ....

.... भूषणाय।

प्रश्न 10. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिये– **10**

1. पौरसी प्रत्याख्यान का सूत्र लिखिए?

....

....

2. दिसामोहेणं का अर्थ लिखिए?

....

....

3. प्रत्याख्यान के कितने अंग बताये गये है कोई तीन लिखिए?

....

....

4. पौषध कितने प्रकार के। किसी एक पौषध की सम्पूर्ण जानकारी दीजिये

....

....

5.

1. अक्सर ....

.... हो न ।

2. सुख दुःख ....

.... घाट मायं।

प्रश्न 11. सही या गलत– **5**

1. चक्षु पर पट के समान दर्शनावरणीय कर्म है। ( )

2. औदारिक वर्गणा की अपेक्षा वैक्रिय वर्गणा की अवगाहना कम होती है। ( )

3. कार्मण वर्गणा के पुद्‌गल में शक्ति उत्पन्न करने वाले कषाय ही है। ( )

4. नैयरिक सोपक्रम आयुष्य वाले होते है। ( )

5. कुम्भकार के समान गोत्रकर्म है। ( )